मध्य प्रदेश बजट विश्लेषण 2016-17

मध्य प्रदेश के वित्त मंत्री श्री जयंत मलैया ने 26 फरवरी, 2016 को वित्त वर्ष 2016-17 के लिए मध्य प्रदेश के लिए बजट पेश किया।

बजट की मुख्य विशेषताएं

- 2016-17 के लिए वर्तमान कीमतों पर मध्य प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 7,13,676 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है। यह 2015-16 के संशोधित अनुमान से 18% अधिक है।
- 2016-17 के लिए कुल व्यव एक अनुमान के हिसाब से 1,58,713 करोड़ रुपए होगा, जो 2015-16 के संशोधित अनुमानों से 20% ज़्यादा है। 2015-16 के लिए संशोधित अनुमान संकेत देते हैं कि बजट लक्ष्य 1,448 करोड़ रुपए को पार कर गया था।
- 2016-17 के लिए कुल प्राप्तियों (उधार छोड़कर) 1,34,419 करोड़ रुपए पर रहते हुए, 17% ज़्यादा रहने का अनुमान है। 2015-16 में कुल प्राप्तियाँ (उधार छोड़कर) बजट लक्ष्य से 2,397 करोड़ रुपए कम थीं।
- अगले वित्त वर्ष के लिए राजस्व अधिशेष 3,510 करोड़ रुपए, या सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 0.49% पर लक्षित है। राजकोषीय घाटा 24,914 करोड़ रुपए (3.49% जीएसडीपी) पर लक्षित है। राजकोषीय घाटे की सीमा को बढ़ा कर 3.5% जीएसडीपी (पहले 3%) करने के लिए दिसंबर 2015 में राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम, 2005 में संशोधन किया गया था। प्राथमिक घाटा 14,680 करोड़ रुपए (2.1% जीएसडीपी) पर लक्षित है
- ऊर्जा, शहरी विकास और पर्यावरण विभागों, और स्कूल शिक्षा में 2016-17 के लिए आवंटनों में बढ़ोतरी देखी गई। ग्रामीण विकास विभाग को 3% कम आवंटित किया गया है।

नीति की मुख्य विशेषताएं

- राज्य की बिजली वितरण कंपनियों के 7,568 करोड़ रुपए की देयताओं को इक्विटी पूंजी में बदलने का प्रस्ताव है। इन कंपनियों के खातों का लेखा परीक्षण भी किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों के लिए 1,50,000 घरों का निर्माण करने की योजना बनाई गई है।
- भोपाल और इंदौर शहर में मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए 453 करोड़ रुपया खर्च किया जाएगा।

कर प्रस्ताव

- **मूल्य वर्धित कर (वैट):** बजट में बैटरी चालित कारों, बैटरी चालित रिक्शा और बैटरी चालित वाहनों पर देय 5% वैट हटाने का प्रस्ताव दिया गया है।
- **प्रवेश कर:** ई-कॉमर्स के उपयोग से खरीदे गए माल पर 6% प्रवेश कर लगाने का प्रस्ताव है।
- **मनोरंजन कर:** वर्तमान में सिनेमा और मल्टीप्लेक्स के भूमि मालिकों के लिए 5 वर्ष की कर में छूट उपलब्ध है। इसे पट्टा धारकों को भी देने का प्रस्ताव है।

पृष्ठभूमि: मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था

10 वर्ष की अवधि के दौरान, मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था (स्थिर कीमतों पर) 2005-10 में 7.10% की औसत दर से बढ़ी और 2010-15 में 7.31% से। चित्र 1 में 2005-10 और 2010-15 के बीच की अवधि में अलग-अलग क्षेत्रों की विकास दर को दिखाया गया है।

अरविंद गयम
aravind@prsindia.org

वत्सल खुल्लर
vatsal@prsindia.org

28 फरवरी, 2016

इस विषय पर अधिक जानकारी के लिए विभोर रेलहन से 9050922538 या vibhor@prsindia.org पर संपर्क करें

चित्र 1: मध्य प्रदेश में क्षेत्रों की विकास दर

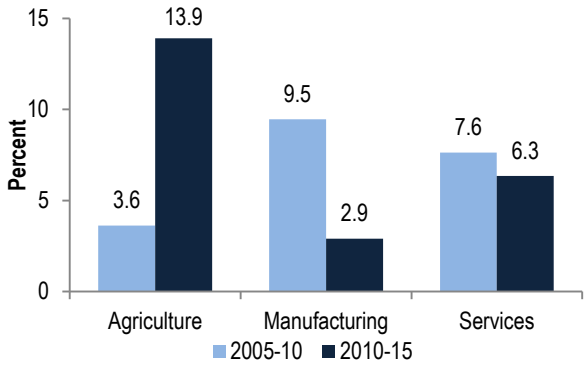

2005-15 के दौरान, कृषि में विकास दर में बढ़ोतरी देखी गई, जबकि अन्य दो क्षेत्रों में गिरावट देखी गई।

- 2005-10 में कृषि विकास 3.6% से बढ़कर 2010-15 में 13.9% हुआ।
- इसी बीच, विनिर्माण में विकास दर 9.5% से घट कर 2.9% हो गई।
- इसी दशक के दौरान, सेवा क्षेत्र का विकास भी 7.6% से घट कर 6.3% हो गया।

सूत्र: केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय; पीआरएस।

मध्य प्रदेश की जीएसडीपी में से, सेवा क्षेत्र का योगदान 42% था, कृषि का 37% और विनिर्माण का 21%। कृषि क्षेत्र में राज्य की आबादी का 62% कार्यरत है, उसके बाद सेवा (33%) और विनिर्माण (5%) क्षेत्रों की बारी आती है।

2016-17 के लिए बजट अनुमान

- 2016-17 में कुल व्यय 1,58,713 करोड़ रुपए पर लक्षित है। 2015-16 में कुल व्यय 1,32,647 करोड़ रुपए था, जो बजटीय लक्ष्य से 1.10% (या 1,448 करोड़ रुपए) ज़्यादा था।
- 2016-17 में व्यय को 1,34,419 करोड़ रुपए की प्राप्तियों (उधारियों के अलावा) और 24,175 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारियों के माध्यम से पूरा करने का प्रस्ताव है। 2016-17 के लिए कुल प्राप्तियों के (उधारियों के अलावा) 2015-16 के संशोधित अनुमान से 17% ज़्यादा होने का अनुमान है।

तालिका 1: बजट 2016-17 - प्रमुख आंकड़े (करोड़ रुपए में)

आइटम	2014-15 खाता	2015-16 बजट अनुमान (बीई)	2015-16 संशोधित अनुमान (आरई)	2015-16 के आरई से बीई तक % बदलाव	2016-17 बजट अनुमान (बीई)	2015-16 आरई से 2016-17 बीई तक % बदलाव
कुल खर्च	**1,07,086**	**1,31,199**	**1,32,647**	**1%**	**1,58,713**	**20%**
क. उधार (शुद्ध)	10,148	**13,628**	17,623	29%	24,175	37%
ख. प्राप्तियां (उधार के सिवाय)	96,665	1,17,188	1,14,791	-2%	1,34,419	17%
कुल प्राप्तियां (क+ख)	**1,06,813**	**1,30,815**	**1,32,413**	**1%**	**1,58,594**	**20%**
राजस्व घाटा (-)/अधिशेष(+)	6,268	5,588	437		3,510	
राज्य जीडीपी का %	1.23%	1.00%	0.07%		0.49%	
राजकोषीय घाटा (-)/अधिशेष(+)	-11,652	-16,745	-21,167		-24,914	
राज्य जीडीपी का %	2.29%	2.99%	3.49%		3.49%	
प्राथमिक घाटा (-)/अधिशेष(+)	-4,580	-8,688	-12,575		-14,680	
राज्य जीडीपी का %	0.90%	1.55%	2.07%		2.06%	

सूत्र: राज्य बजट दस्तावेज; पीआरएस। नोट: बीई बजट अनुमान है; आरई संशोधित अनुमान; उधार में लोख लेखा (शुद्ध) प्राप्तियाँ शामिल हैं। कुल प्राप्तियों में सकल उधारी शामिल होती हैं और इसलिए, कुल व्यव में ऋण भुगतान शामिल होता है। 2016-17 के लिए जीएसडीपी स्थिर कीमतों पर, 7,13,676 करोड़ रुपए के रूप में एक नज़र में बजट से लिया गया।

2016-17 में व्यय

- सरकारी व्ययों को (क) राजस्व व्यय, जैसे कि वेतन भुगतान, और (ख) पूंजी परिव्यय में विभाजित किया जा सकता है, जो राज्य की परिसंपत्तियों और देयताओं को प्रभावित करते हैं।
- 2016-17 के लिए कुल व्यव 1,58,713 करोड़ रुपए होना प्रस्तावित है, जो 2015-16 के संशोधित अनुमानों से 11% ज़्यादा है। कुल पूंजी परिव्यय 2015-16 के संशोधित अनुमानों से 65% से बढ़कर 36,128 करोड़ रुपए होना प्रस्तावित है। इसमें परिसंपत्तियों का निर्माण, ऋण उपलब्ध कराना, आदि शामिल हैं।

तालिका 2: व्यय बजट 2016-17 (करोड़ रुपए में)

आइटम	2014-15 खाता	2015-16 बजट अनुमान (बीई)	2015-16 संशोधित अनुमान (आरई)	2016-17 बजट अनुमान (बीई)	2015-16 आरई से 2016-17 बीई तक % बदलाव
राजस्व व्यय	82,373	1,08,835	1,10,693	1,22,585	11%
पूंजी परिव्यय	24,713	22,364	21,954	36,128	65%
कुल खर्च	**1,07,086**	**1,31,199**	**1,32,647**	**1,58,713**	20%
क. ब्याज भुगतान	7,071	8,058	8,592	10,233	19%
ख. ऋण पुनर्भुगतान	4,920	8,773	5,383	9,105	69%
ऋण शोधन (क+ख)	11,991	16,831	13,975	19,338	38%

सूत्र: राज्य बजट दस्तावेज; पीआरएस। नोट: बीई बजट अनुमान है और आरई संशोधित अनुमान है। व्यव में ऋण पुनर्भुगतान शामिल है।

2016-17 में विभाग व्यय

- नीचे सूचीबद्ध विभाग 2016-17 में मध्य प्रदेश के कुल बजटीय व्यय के 41% के हिस्सेदार थे।

तालिका 3: मध्य प्रदेश बजट 2016-17 के लिए विभाग वार व्यय (करोड़ रुपए में)

विभाग	2015-16 बजटीय	2016-17 बजटीय	2015-16 बीई से 2016-17 बीई तक % बदलाव	2016-17 के लिए बजट प्रस्ताव
स्कूली शिक्षा	15,749	20,940	32.96%	▪ 'राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान' के तहत 649 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव है जिसका लक्ष्य गुणवत्ता बढ़ाने और माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करना है। ▪ 120 हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल भवनों का निर्माण प्रस्तावित है। लड़कियों के 138 अधूरे हॉस्टलों के निर्माण को पूरा किया जाना प्रस्तावित है।
ऊर्जा	9,704	19,977	105.86%	▪ इसमें बिजली वितरण कंपनियों पर 7,568 करोड़ रुपए के कर्ज को इक्विटी में बदलना शामिल है। पूंजी प्राप्तियों (ऋण वसूली) में इतनी ही राशि का बजट है।
ग्रामीण विकास	11,071	10,732	-3.06%	▪ 'ग्राम पंचायत विकास योजना' का विकास किया जा रहा है जिसका लक्ष्य बुनियादी ढांचे का विकास करना और सामाजिक सुराक्षा सुनिश्चित करना है। ▪ मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 1,50,000 घरों का निर्माण प्रस्तावित है।
शहरी विकास और पर्यावरण	6,551	10,669	62.86%	▪ भोपाल और इंदौर के लिए मेट्रो रेल परियोजनाओं पर 452 करोड़ रुपया खर्च किया जाना प्रस्तावित है। ▪ 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के लिए 400 करोड़ रुपए आवंटित करना प्रस्तावित है जिसका लक्ष्य गरीब लोगों के लिए घर प्रदान करना है।
लोक निर्माण कार्य	5,912	7,125	20.52%	▪ सड़कों और पुलों के निर्माण और रखरखाव पर 4,305 करोड़ रुपए खर्च किया जाना प्रस्तावित है ▪ अनुसूचित जातियों पर 854 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव है
कुल व्यय का %	**35%**	41%		
अन्य विभाग	**90,985**	**1,01,313**	**11.35%**	

नोट: सभी राशियाँ शुद्ध संख्याएँ हैं। स्रोत: विभाग वार शुद्ध प्रावधान, मध्य प्रदेश राज्य बजट 2016-17; पीआरएस।

अन्य घोषणाएँ:

- **कृषि:** राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लागू किया जाएगा जो फसल के असफल होने की स्थिति में किसानों को बीमा सुरक्षा और वित्तीय समर्थन प्रदान करेगी।
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना और परंपरागत कृषि विकास योजना को लागू किया जाएगा। इससे किसानों को हर तीन वर्ष में एक बार मिट्टी के स्वास्थ्य की जांच उपलब्ध कराई जाएगी, और राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा।
- **लोक स्वास्थ्य और औषधि:** 2016-17 में, सरकार राज्य में 2,000 नए स्वस्थ्य केंद्रों को मंजूरी देगी। सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 2,038 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव रखती है। सांची के निकट स्मार्ट मेडिकल सिटी के निर्माण पर 1,000 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव है।
- **महिला और बाल विकास:** 903 करोड़ रुपए के आबंटन के साथ घोषित 'ई-लाडली लक्ष्मी योजना' लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए।

2016-17 में प्राप्तियां

- 2016-17 के लिए कुल राजस्व प्राप्तियां 1,26,095 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। 2015-16 के संशोधित अनुमानों में 6.74% की तुलना में, 2016-17 में कर और जीएसडीपी रेशिओ 6.52% पर लक्षित है।
- 2015-16 के संशोधित अनुमानों के ऊपर 2016-17 में कर राजस्व के 13.7% (5,590 करोड़ रुपए) से बढ़ने का अनुमान है। 2016-17 में गैर-कर राजस्व के 18.3% (1,774 करोड़ रुपए) से बढ़ने का अनुमान है।
- 2016-17 में केंद्र से अनुदान 3,630 करोड़ रुपए से बढ़कर 24,437 करोड़ रुपए होने जा रहे हैं। केंद्र से स्थानांतरण का अन्य घटक, जो केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा होता है, एक अनुमान के हिसाब से 2016-17 में 3,971 करोड़ रुपए से बढ़ कर 43,676 करोड़ रुपए होगा।

तालिका 4: राज्य सरकार की प्राप्तियों का ब्रेक अप (करोड़ रुपए में)

आइटम	2014-2015 खाता	2015-2016 बजटीय	2015-2016 संशोधित	2016-2017 बजटीय	2015-16 आरई से 2016-17 बीई तक % बदलाव
राज्य के अपने कर	36,567	43,448	40,910	46,500	13.66%
राज्य के अपने गैर-कर	10,375	10,124	9,707	11,482	18.28%
केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी	24,107	30,450	39,706	43,676	10.00%
केंद्र से सहायता के रूप में अनुदान	17,591	30,401	20,808	24,437	17.44%
कुल राजस्व प्राप्तियाँ	**88,641**	**1,14,423**	**1,11,131**	**1,26,095**	13.47%
ऋण और अग्रिम की वसूली, और अन्य पूंजी प्राप्तियाँ	6,794*	31	350	7,704*	2101.85%
उधार (शुद्ध)	10,148	13,628	17,623	24,175	37.18%
लोक लेखा प्राप्तियां	1,231	2,734	3,310	620	-81.27%
कुल पूंजी प्राप्तियाँ	**18,172**	**16,392**	**21,283**	**32,499**	52.70%
कुल प्राप्तियां	**1,06,813**	**1,30,815**	**1,32,413**	**1,58,594**	19.77%

सूत्र: राज्य बजट दस्तावेज; पीआरएस। नोट: बीई बजट अनुमान है और आरई संशोधित अनुमान है।

नोट: *बिजली वितरण कंपनियों के ऋण की वसूली शामिल है; इसे इक्विटी में बदला जा रहा है और समान राशि को पूंजी व्यय के रूप में दिखाया गया है।

- मध्य प्रदेश का कुल कर राजस्व एक अनुमान के हिसाब से 2016-7 में 46,500 करोड़ रुपए है। चित्र 2 में राज्य के कर राजस्व की संरचना को दिखाया गया है।

चित्र 2: 2016-17 (बीई) में कर राजस्व की संरचना

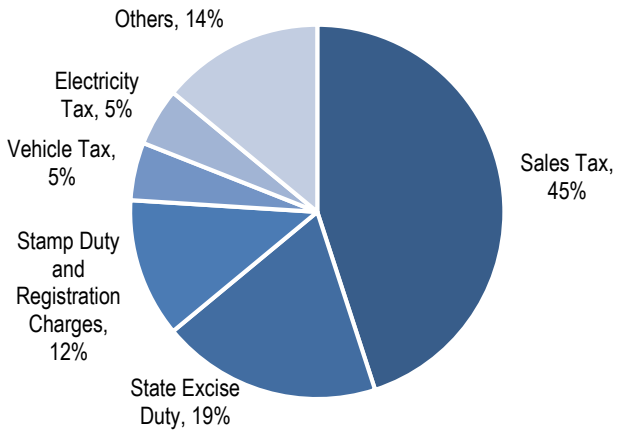

- **कर राजस्व:** कर राजस्व के सभी स्रोतों में से, बिक्री कर सबसे बड़ा घटक है। बिक्री कर जो कि राज्य में माल की बिक्री पर लिया जाता है उससे 20,724 करोड़ रुपए आने का अनुमान है (कर राजस्व का 43%)
- राज्य को शराब के विभिन्न रूपों के उत्पादन पर राज्य उत्पाद शुल्क के माध्यम से 9,000 करोड़ रुपए (19%) प्राप्त होने का अनुमान है।
- आइके अलावा, अचल संपत्ति पर स्टांप ड्यूटी, पंजीकरण शुल्क, बिजली शुल्क, आदि के माध्यम से राजस्व उत्पन्न किया जाएगा।

- **गैर-कर राजस्व:** मध्य प्रदेश ने बजट में गैर-कर स्रोतों से 11,481 करोड़ रुपए उत्पन्न करने का प्रावधान रखा है। शिक्षा से राजस्व, जैसे कि लाइसेंस फीस, गैर-कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत है, जिसके 4,143 करोड़ रुपए उत्पन्न करने का अनुमान है, जो 2015-16 (आरई) के मुक़ाबले 25% ज़्यादा है।
- इसके बाद खनन का नंबर आता है, जिसके 3,450 करोड़ रुपए उत्पन्न करने की उम्मीद है, जो 2015-16 (आरई) के मुक़ाबले 17.5% ज़्यादा है।
- गैर-कर राजस्व के अन्य स्रोतों में वन, बिजली, उद्योग, आदि शामिल हैं।

2016-17 के लिए घाटे, ऋण और एफ़आरबीएम लक्ष्य

मध्य प्रदेश राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन (एफ़आरबीएम) अधिनियम, 2005 राज्य सरकार के बकाया ऋण, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को धीरे-धीरे कम करने के लिए वार्षिक लक्ष्य प्रदान करता है।

राजस्व घाटा: यह राजस्व प्राप्तियों के ऊपर राजस्व घाटे की अधिकता होता है। राजस्व घाटे का मतलब होता है कि सरकार की आवर्ती प्राप्तियाँ उसके आवर्ती व्ययों को कम करने में असमर्थ हैं। 2016-17 में राजस्व अधिशेष के 3,510 करोड़ रुपए (या राज्य जीडीपी का 0.49%) होने का अनुमान है। यह राज्य के एफ़आरबीएम अधिनियम और 14वें वित्त आयोग द्वारा निर्धारित राजस्व घाटे को समाप्त करने के लक्ष्य से बेहतर है।

राजकोषीय घाटा: यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। इस अंतर को सरकार द्वारा उधार से भरा जाता है, और जो सरकार की कुल देयताओं में वृद्धि की ओर ले जाता है। 2015-16 में, राजकोषीय घाटे के बढ़ आर राज्य जीएसडीपी के 3.49% होने का अनुमान है और 2016-17 में इसके 3.49% पर बने रहने का अनुमान है। 2015-16 के लिए अनुमान एफ़आरबीएम अधिनियम और 14वें वित्त आयोग के तहत निर्धारित 3.0% सीमा से पार हो गए। दूसरी ओर, 2016-17 के अनुमान एफ़आरबीएम अधिनियम के तहत नई संशोधित 3.5% सीमा के अंदर हैं, लेकिन 14वें वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित 3.0% सीमा से आगे हैं।

बकाया देयता: यह पिछले कुछ वर्षों के दौरान संचित उधार होते हैं। 2016-17 में, बकाया देयताओं के राज्य जीडीपी के 21.67% पर होने का अनुमान है।

तालिका 5: मध्य प्रदेश राज्य के लिए घाटों के लिए बजट लक्ष्य

वर्ष	राजस्व अधिशेष (%)	राजकोषीय घाटा (%)	बकाया देयता (%)
2014-15	1.23	-2.29	22.26
आरई 2015-16	0.07	-3.49	21.56
बीई 2016-17	0.49	-3.49	21.67
एमटीएफ़पी 2017-18	अधिशेष	-3.21	22.26
एमटीएफ़पी 2018-19	अधिशेष	-3.24	22.81

स्रोत: प्रेस नोट, मध्य प्रदेश राज्य बजट 2016-17; पीआरएस।
नोट: आंकड़े राज्य जीडीपी के प्रतिशत के रूप में।

चित्र 1 और 2, 2013-14 से 2016-17 तक घाटों और बकाया देयताओं में रुझान दिखाते हैं:

चित्र 3: राजस्व और राजकोषीय घाटा (राज्य जीडीपी के % के रूप में)

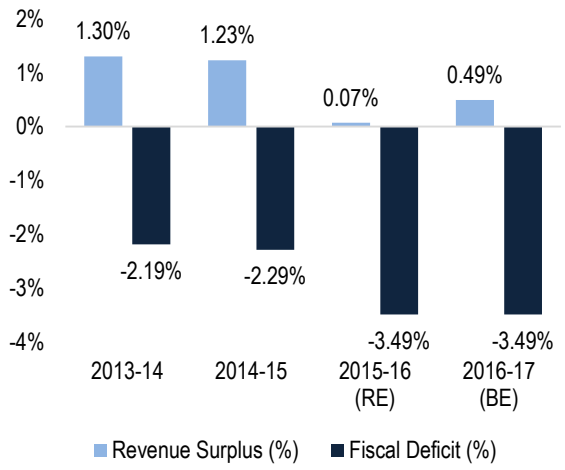

सूत्र: मध्य प्रदेश राज्य बजट दस्तावेज; पीआरएस।

चित्र 4: बकाया ऋण (राज्य जीडीपी के % के रूप में)

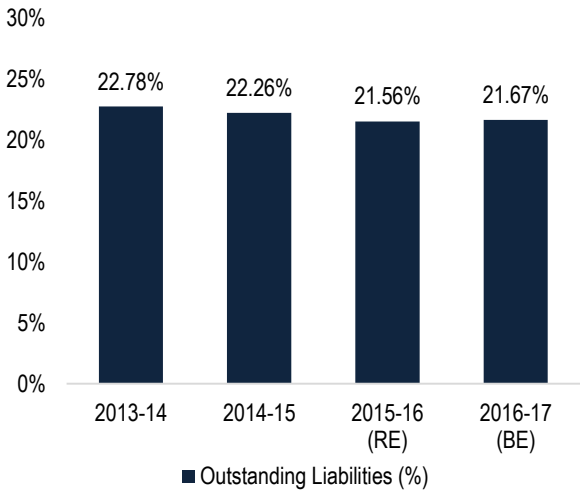

सूत्र: मध्य प्रदेश राज्य बजट दस्तावेज; पीआरएस।

DISCLAIMER: This document is being furnished to you for your information. You may choose to reproduce or redistribute this report for non-commercial purposes in part or in full to any other person with due acknowledgement of PRS Legislative Research ("PRS"). The opinions expressed herein are entirely those of the author(s). PRS makes every effort to use reliable and comprehensive information, but PRS does not represent that the contents of the report are accurate or complete. PRS is an independent, not-for-profit group. This document has been prepared without regard to the objectives or opinions of those who may receive it.